पत्र लेखन

भुगतान पत्र

कादा) भुगतान पत्र :- व्यापार करते समय कई बार व्यापारी सामान उधार कर देते है। साथ ही ये भी तय कर लिया जाता है कि कितनी अवदी मे रकम अधा कि जायेगी। किसी कारणवश अगर दिये गये समय में रकम का भुगतान नहीं किया जाता तब उस स्थिती में जो पत्र लिखे जाते है वे भुगतान पत्र केहलाते है।

भुगतान के लिए

ज्ञानलोक
(पुस्तको के थोक विक्रेता)

पत्रक्रमांक :- 26/28/अ/07

103, रमननगर
एम. जी. रोड़
पूना (महाराष्ट्र)
20 जून 2000.

प्रबंधक
महाराजापुस्तक भंडार
मेन रोड़
धारवाड (मैसूर)

महोदय,

account detail हम आपका ध्यान 10 जनवरी 2000 को भेजे गये लेखा-विवरण कि ओर आकर्षित करना चाहते हैं। जिसके अनुसार बीजक Source BN/07 संख्या 306 का पाँच लाख का भुगतान प्राप्त नही हुआ है। हो सकता है कि किसी कारणवश आप भुल गए हो। आपसे अनुरोध है कि यह राशी अवसर मिलते ही भिचवा दे। बीजक की प्रतिलिपि हम साथ भेज रहे है।

सधन्यवाद,

भवदीय
कमल

Scanned by CamScanner

27/01/18

बीमा ~~बीमा~~ पत्र

व्यापार करते समय व्यापारी जीवन मे किसी जोखिम से बचने के लिए कुछ उपाय करता है जिसके द्वारा वह अपने ~~समाने~~ समान तथा दुकान दोनों को सुरक्षित कर लेता है। इसी उपाय को बिमा कहा जाता है।

बीमा तीन प्रकार के होते है।

जीवन बीमा

समुन्द्री बीमा

अग्नी या चौरी सम्बंधि बीमा

बीमा ~~बीमा~~ पत्र लेने से सम्बंधित जितने भी पत्र ~~लौकि~~ लिखे जाते है वे बीमा पत्र कहलाते है।

(अग्नि बीमा के संबंध मे पूछतछ)

आलोक एंड सन्स

(कपड़ो के थोक व्यापारी)

पत्रक्रमांक :- 24/27/स

108. एम जी रोड़
पुना (महाराष्ट्र)
20 जून 2000.

प्रबंधक
जनरल इन्शोरेंस सोसायटी लि.
रमन नगर
बैंगलूरू - 27

महोदय

हम अपनी दुकान का एक वर्ष के लिए अग्नि बीमा करना चाहते है। बीमा पाँच लाख रूपयो के लिए होगा। हमारी दुकान पक्की ईंटों की बनी है, खिडकियाँ और दरवाजे इस्पात के बने है। हमारी दुकान मे पाँच से छः लाख रुपये तक का समान ~~ह~~ हमेशा रेहता है। कृपया हमें अपनी बीमा-दरें और शर्ते भेजने का कष्ट करे

सधन्यवाद

भवदिय
नमन

1. सामान भेजने में देरी / विलम्ब होना ।

नूतन वस्त्र भंडार
(सिल्क साडियों के विक्रेता)

104, एम. जी. रोड
पुना (महाराष्ट्र)
20 जून 2000

पत्रक्रमांक :- 21/27/स

प्रबंधक
वेंकटेश्वर टैक्सटाइल
रमन नगर
कांजिवरम (तमिलनाडु)

महोदय,

हमने जनवरी मे कुछ सिल्क साडियाँ मगाने का आदेश आपको भेजा था । आप ने विश्वास दिलाया था कि मार्च अंत तक हमे यह सामान मिल जायेगा परन्तु खेद के साथ कहना पड रहा है कि अभि तक हमे इस आदेश का सामान नही मिला है । आप से अनुरोध हो कि तुरत सामान भिजवादे क्योकि इस विलम्ब के कारण हमे क्षति उठानि पड रही है ।

सधन्यवाद

भवदिय
राज

Scanned by CamScanner

चींटी

- सुमित्रानंदन पंत

I. एक वाक्य मे उत्तर :-

1. Q चींटी कविता के लेखक कौन है ?
उ सुमित्रानंदन पंत

2. Q सरल विरल काली रेखा किसे कहा गया है ?
उ ~~पिपि~~ पिपीलिका पाँति

3. Q चींटी सतत क्या काम करती रहती है ?
उ कनके चुनने का

4. Q चींटी को कैसा प्राणी कहा गया है ?
उ सामाजिक प्राणी

5. Q श्रम जीवी कौन है ?
उ चींटीं

6. Q चींटीं दिन भर में कितना चलती है ?
उ मीलों

7. Q. पिपीलिका शब्द का अर्थ क्या है ?
उ चींटी

for 6marks.
1st point
संदर्भ
Book name
Lesson name
writer name
One line explain about what the line speaks
Explaination of poem lines in extend form
विशेषताएँ

कवि ~~परिचय~~ परिचय :-

इस कविता के कवि सुमित्रानंदन पंत है। इनका जन्म 1900 मे हुआ था। इनका नाम गुसाई दत्त रखा गया था। 1918 में वे अपने भाई के साथ काशी आगये। यही पर इन्टर तक पढ़ियी की। आप छायावादी रचनाकारों में सबसे मुख्य हैं।

Scanned by CamScanner

2

रचनाएँ :- वीणा
पल्लव
गुंजन
लोकायतन

सारांश :- इस कविता के माध्यम से धरती के सबसे साधारण चींटी कि चर्चा करते हुए कवि मानव समाज को प्रेरित करना चाहते है। वे कहते है कि हजारों चिंटिया जब एक साथ चलती है तो वे एक काली रेखा के समान दिखाई देती है। और पतले धागे के समान यह रेखा मनुष्य को बड़ी प्रेरणा देती है। यह बताती है कि पैर छोटे होने के बाद भी मिलो दूर तक चला जा सकता है। शरीर कितना भी छोटा क्यों ना हो सही चीजों का चुनाव कर के इसे धन्य बनाया जा सकता है।

जिस तरह मनुष्य या गृहस्वामिनी अपने परिवार और आस-पास के वातावरण के लिए जिम्मेदारी निभाते है। ठिक उसी प्रकार चिटियो के भी परिवार और जिम्मेदारियाँ भी होती है। वे दिन रात परिवार के लिए कार्य करती है। बच्चो की देखभाल और जरूरत होने पर दुश्मन से लड़ जाना, कभी साथ मिलकर जीवन सवारना। संकट आ जाने पर उसका सामना करना, आस-पास की जगह साफ रखना ये सभी सब काम करके अपना समझ समाज बनाती है।

मानव की तरह चींटी भी समाजिक प्राणी है। उसमे सभय नागरिक और मेहनती होने के गुण है। हल्का दिखाई देने मे वह बुरे बालो की कतरन सी मालूम होती है परन्तु उसका हृदय बहुत बड़ा है। साथ ही उसका दृढ़ सकल्प भी। इसलिए धरती की सबसे छोटी प्राणी होने के बाद भी वह हर जगह पायी जाती है। साथ ही चींटी जहाँ भी मिलती है वह परिश्रम में डुबी मेहनत की मिसाल होती है। अगर उसे जीवन का मुकुट कहा जाय तो गलत नही होगा।

तिल के समान छोटा शारीर जीसका जीवन हर समय दाँव पर लगा हो वह दिन भर मे मिलो चलने मे सक्षम है।

कलियों से राष्ट्रीयध्वज

– हरिवंशराय 'बच्चन'

1. कलियो से कविता के कवि कौन है।
उ हरिवंशराय बच्चन

2. कवि बचपन मे कैसे थे?
उ चंचल

3 बचपन मे कवि ने किस पर अत्यचार किये है?
उ कलियों पर

4 अपराधि हाथ किनसे क्षमा माग रहे है।
उ कलियों से

5 भूमि पर घिर कर कलि क्या बनाती है।
उ समाधि

6. कलि के अनुसार उस पर किसने उपकार किया।
उ कवि ने

7 कलि को किस रूप मे संतोष हुआ।
उ गले का हार बनकर

8. मुरझाने पर कलियों के साथ क्या किया जाता है?
उ दूर हटाना

9. समय के साथ विश्व कैसे आगे बढ़ता है।
उ पल - पल बदलकर

Scanned by CamScanner

* सारांश
आरंभ :-

इस कविता मे कवि अपनी बचपन की यादो सोचते हुए भावुक हो जाते है। उन्हे लगता है कि अनजाने मे हि सही परन्तु उन्होंने कलियों के साथ बहुत ही क्रूर व्यवहार किया है। पौधो से तोड कर वे कलियो को भर लाते और सुई मे पिरोकर उनका बनाते थे। वही माला पेहनकर वे बहुत खुश होते थे परन्तु अब यह सोच कर उनका मन ग्लानी भर आ है कि उन्होंने अपनी खुशी के खातिर कलियो को फूल न बनने दिया उसके पहले ही उनका जीवन नष्ट कर दिया। अपने इस अपराध के लिए वे कलियों से हाथ जोड कर क्षमा मांग रहे है।

उत्तर देते हुए कलि केहती है कि बचपन उस नादानी के लिए तुम्हे हाथ जोड कर माफि नहीं मा चाहिए। क्योंकि साथ अगर उसे कवि के द्वारा ना त जाता तो फूल बनकर भी वह एक दिन मिट्टी मे ही मिल जाती। उसके अस्तित्व को शायद संसार जान भी नह पाता। कवि ने तोड कर उसकी माला बनाकर जब उसे गले मे पेहना तो कलि को अपनत्व और प्रेम का अह मिला था। उसे इस बात का बेहद संतोष है कि उसके छोटे से जीवन में वह किसी के खुशियो का कारण बन सकी।

कलिका इतना संतोष देखकर कवि को आश्च हुआ कि होता है कि उसके प्रति क्षणिक प्रेम से कलि को इतना संतोष कैसे हो सकता है? जब तक उसमे ताजगी, सुगंध बाकी थी तभी तक वह गले का हार बनी रही। मुरझाते ही उसे फेक दिया गया था। उसका तिरस्कार कि गया था परन्तु फिर भी कवि के लिए कोई रोष नहीं?

कलि जानती है कि बदलते हुए समय के साथ-साथ संसार की हर चीज बदल जाती है। फिर भावनाएँ एक जैसी कैसे रहे सकती है। इस बदलते संसार मे सब-कुछ अस्थिर है। इसलिए किसी के काम आना और

14/03/18

गुलाबी चूड़िया

-नागार्जुन

1 गुलाबी चूड़ियाँ कविता के कवि कौन है?
नागार्जुन

2 ड्राईवर कौनसी बस चला रहे है?
प्राईवेट

3 बस मे चूड़ियाँ कहाँ लटकी है?
गियर के ऊपर

4 ड्राईवर की बेटी कितने साल कि है?
सात साल

5 गुलाबी चूड़ियाँ किसकी बनी है?
काँच की

6 बस की रफ्तार के साथ क्या हिलता है?
~~चूड़िया~~ चूड़ियाँ

7 ड्राईवर की बेटी का नाम क्या है?
मुनियाँ

8 मुनियाँ की कौनसी अमानत पिता के पास सुरक्षित है?
गुलाबी

9 कितनी गुलाबी चूड़ियाँ बस मे लटकी है?
चार

10 ड्राइवर की आँखो से क्या ~~क~~ छलक रहा था?
दूधिया वात्सल्य

Scanned by CamScanner

कवि परिचय :-

नागर्जुन का जन्म 1911 मे हुआ उनका असली नाम वैदनाथ मिश्र था तथा वे नागर्जुन के नाम से साहित्य लिखते थे। राहुल साकृत्यायन इनके गुरू थे, माना जाता है कि ये श्रीलंका जाकर पालि पढाते थे और यही वे बहुत ही बौद्ध भिक्षु भी बन गये थे।

रचनाएँ :-

युगधारा।
पुरानी जूतियों का कोरस।
आखिर ऐसा क्या कह दिया मैंने।
तुमने कहा था।

सारांश :-

इस कविता में कवि ने एक पिता के प्रेम का वर्णन किया है। एक प्राइवेट बस का ड्राइवर सात साल की बेटी मूनियाँ का पिता है। इसने गियर के ऊपर चार गुलाबी चूडियाँ टग रखी है। हला कि वाहनों ने इस स्थान पर लोग भगवान की प्रतिमा लगाते है इसलिए एक यात्री को यह जानने की उत सूकता हुई की यह चूडियाँ यहाँ क्यो है। चेहरे से शेबीला दिखने वाला यह ड्राइवर इस प्रश्न पर भावुक हो गया। उसने बताया कि लाख बार मना करने पर भी मूनियाँ नही मानती उसके लिए सबसे सूरक्षित जगह पिता के आँखो के सामने यही जगह है।

बेटी के प्यार से छलकते हुए भावों को रोकते हुए ड्राइवर ने कहा कि बेटी का बरोसा कोई जूर्म नहीं इसलिए मै भी इन्हे हाटता नही हूँ नही यह कहते हुए उसकी निगाहे फिर अपनी जिमेदारी की ओर सड़क पर चली गयी। पिता के मन मे बेटी के प्रति असीम प्यार को यात्री समझ सकता था। क्योकि वह भी एक जिमेदारी पिता है।

विशेषताए :- 1) शैली :- काव्य
2) छंद :- मुक्तक
3) रस :- वात्सल्य
4) अलंकार :- अनुप्रास
5) शब्द :- तत्सम
6) शब्द शक्ति :- अभिधा
7) शब्द गुण :- प्रसाद

Scanned by CamScanner

17/09/18

दोहे

- तुलसीदास

1. एक वाक्य मे उत्तर लिखो :

दोहे कविता किसने लिखी है ?

1.Q. तुलसीदास

2.Q. किसे त्याग करने से सुधारा जा सकता है ?

→ कुसमाज

3.Q. दंपति किसे कहा गया है ?

→ रस - रसना

4.Q. कौनसे परिजन घर बनाते है ?

→ दाँत

5.Q. रस - रसना कौनसा विशेषण पालते है ?

→ राम नाम

6.Q. दंपति के पास कौनसी सम्पति है ?

→ स्नेह / प्रेम

7.Q. दूसरो के नियंत्रण मे व्यवहार करने से मानव किसके समान उलझ जाता है ?

→ बंदर, तोता और रेशमी कीडा

8.Q. सपने से जगने पर क्या हाथ नही लगता

→ लाभ - हानि

9.Q. सपने मे हम क्या बन जाते है ?

→ नाकपति

Scanned by CamScanner

कवि परिच्य :- तुलसीदास का जन्म 1540 में हुआ कुछ लोग इनका जन्म उत्तर प्रदेश में मानते है । ये मुगल बादशाह अकबर और जहाँगीर के समकालीन। इनका विवाह रत्नावली के साथ हुआ था। माना जाता है कि इन्ही के उपदेश से इन्हे वैराग्य प्राप्त हुआ था। ये भगवान राम के भक्त थे।

रचनाएँ :- रामचरित मानस
कवितावली
विनय पत्रिका
दोहावली

सारांश)

इस दोहे में कवि ने मानव जन्म को सुधारने का उपाय बताया है। वे कहते है कि अगर अनेक जन्मो के पापों को हमें नष्ट करके मुक्ती पाना है तो बुरी सोचवाले समाज का त्याग करके हरी नाम या इश्वर की भक्ती को अपनाना चाहिए।

अच्छे परिवार के गुण बताते हुए कवि कहते है कि जो इश्वर का भक्त होता है उसका सुख एक परिवार के समान होता है। जिसमें रस रसना नाम के दम्पति रहते है। तथा दाँतो के रूप में उनके परिवार जन इस दम्पति का राम नाम का एक शीशु मे होता है। जिसे वे दिन-रात जाप करते हुए पालते है। यह दम्पति धनी है क्योकि उनके पास प्रेम की सेहज सम्पति होती है। इस दोहे में कवि ने ~~व्यवहार~~ ~~व्यवहार के~~ ~~बा~~

इस दोहे में कवि ने व्यवहार के बारे मे बताया है। जीस प्रकार बंदर, तोता और रेशमी कीडा दूसरे के नियंत्रण मे आते ही अपना वास्तविक व्यवहार छोड देते है तथा आजादी भी। ठीक उसी प्रकार मनुष्य भी अहंकार या दूसरे के पराधीन होते ही अपना ~~आ~~ अस्तित्व खो देते है।

classmate
Date
Page

21/03/18.

चलना हमारा काम है

एक वाक्य मे उत्तर :-

Q.

1. चलना हमारा काम है कविता के कवि कौन है ?
→ शिवमंगल सिंह सुमन

2. कवि के अनुसार पैरो मे क्या
→ गति

3. कवि अपना नाम क्या बता रहे है ?
→ राही

4. कवि मनुष्य को क्या करने की प्रेरणा दे रहे हैं ?
→ चलते रहने की

5. सुख दुःख मे क्या अवरूद्ध नही होना चाहिए ?
→ गति - मति

6. चलते रहने का ध्यान मनुष्य को कब तक रहना चाहिए ?
आठों पहर

7. संसार में सबको क्या सहना पड़ा ?
→ विश्व - प्रहार

8. कवि किसे अपने विरूद्ध मानते है ?
→ विधाता

9. मनुष्य किसकी खोज मे चलते रहते है ?
→ पूर्णता

10. हर कदम पर कवि को क्या मिल जाता है ?
→ बाधाएँ

Scanned by CamScanner

27/03/18.

पूंजीवादी समाज के प्रति

- मुक्तिबोध

I. एक वाक्य मे उत्तर लिखो :-

1. पूंजीवादी समाज के प्रति कविता के कवि कौन है ?
उ. मुक्तिबोध

2. कवि को किनसे घृणा और दुर्गन्ध आती है ?
उ. पूजीवादी से

3. पूजीवादियो की सस्कृति कैसी होती है ? (क्या कैसे करना)
उ. अंधी

4. पूजीवादियो को देखकर कवि को क्या उमड आती है ?
उ. मितली

5. पूजीवादियो के हास मे कवि को क्या दिखाई देता है ?
उ. रोग क्रमि

6. मुक्तिबोध के अनुसार ज्वाला की उष्णता मे क्या धुल जाता
उ. अतिरेक

7. पूंजीवादियों का एक अन्त क्या है ?
ध्वंस

II.

कवि परिच्चय :-

मुक्तिबोध का जन्म 1970 को ~~मध्यप्रदेश~~ मध्यप्रदेश मे हुवा। इन्होने हिन्दी पत्रकारिता के लिए काफी कार्य किया। ये अपनी लंबी कविताओ के लिए प्रसिद्ध है। जीवन के प्रति दुःख और आक्रोष इनके

Scanned by CamScanner

10/4/18

घर में वापसी

1. एक वाक्य में उत्तर लिखो:-

1.प्र. घर में वापसी कविता किसने लिखी है?
उ. धूमिल

2.प्र. कवि के अनुसार घर मे कितनी जोडी आँखे है?
उ. पाँच

3.प्र. माताजी की आँखो की तुलना किससे की गयी है?
उ बचंर पट्टिये

4.प्र कवि रिश्तों के लिए क्या बनाना चाहते है?
उ ताली (चाबी)

5.प्र. कवि ताली से क्या खोलना चाहते है?
उ. भाषा का भुन्नासी ताला

6.प्र पत्नी का सही अर्थ क्या है?
उ हमसफर

7.प्र. ठडी सल-शलाखों के समान किनकी आँखे है?
उ. पिता की

8.प्र. दीवट पर घी के दो दिये किसे कहा गया है?
उ. बेटी की आँखों को

9.प्र. कवि के अनुसार घर के सदस्य क्या है?
उ. पेशेवर गरीब

Scanned by CamScanner

कवि परिचय :-

धूमिल का असली नाम सुदामा पाण्डे है। इनका जन्म 1958 में वाराणसी में हुआ। इन्होंने विद्युत में डिप्लोमा करके अनुदेशक में काम कीया। धूमिल को वर्तमान का प्रभावशाली माना जाता है। इसे भी नयी कवि की श्रेणी में रखा जाता है। धूमिल के नाम से इन्होंने साहित्य की रचना की है।

रचनाये :- संसद से सड़क तक
कल सुनना मुझे
सुदामा पाण्डे का प्रजातंत्र

सारांश :-

वास्तविक रिश्तो का महेत्व बताते हुवे कवि कहते हैं कि इन्ट पत्थरों से बनाया हुवा मकान घर तबी बनता है जब उसमे रहने वाले सदस्यों के बिच आपसी प्रेम समर्पण और विश्वास हो।

वह कहते है कि घर मे पाँच जोडी आँखे यानि कुल पाँच सदस्य। जिन में माँ ऐसे सदस्य है जिन आखों मे कोई सपना दिखाई नहीं देता। अपने परिवार को चलाने का होसला हिम्मत अब धिरे-धिरे कम हो रही है। उनकी उपसथिती घर मे ना के बरा बर है। पीता की मजोंदूगी अब जंग लगी लोहे की सलाके है जो केवल अपने नष्ट होने का रास्ता देख रहे हैं। घर मे एक केवल बेटी ही है जो जिन्दगी की नयी आशा है। तथा घर में पत्नी भी मौजूद है जो हम सब के बिच किसी तरह से परिवार को आगे बढ़ने मे हमेशा लगी रहती है।

वैसे हम सबी लोग एक ही परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य है। एक साथ रहते है। परन्तु घर मे कमरों की दूरी से आधिक हम मे और भावनाओं की दूरी महसूस होती है। इसलिए घर की दिवारो के बिच रिश्ते छिपे हुवे नजर आते है। कहने को घर बनाने के लिए सारी सुविधाये मौजूद है लेखिन फिर भी हम पाँचो सदस्य अपने

Scanned by CamScanner